

«Как из ливня сделать засуху?». Об одном забытом «фрагменте» Гераклита

Щербакова Е. А.

Сектор античной и средневековой философии и науки

ИФ РАН

lisa.sherbakova@gmail.com

I.

1. D. L. 9. 3. [Ἡράκλειτος] διητᾶτο, πόας σιτούμενος καὶ βοτάνας. καὶ μέντοι καὶ διὰ τοῦτο περιτραπείς εἰς ὕδρον κατῆλθεν εἰς ἄστν καὶ τῶν ἰατρῶν αἰνιγματωδῶς ἐπυνθάνετο εἰ δύναιτο ἐξ **ἐπομβρίας ἀύχμὸν ποιῆσαι**. τῶν δὲ μὴ συνιέντων, αὐτὸν εἰς βούστασιν κατορύξας τῆ τῶν βολίτων ἀλέα ἤλπισεν ἐξατμισθῆσθαι. οὐδὲν δ' ἀνύων οὐδ' οὔτως, ἐτελεύτα βιοὺς ἔτη ἐξήκοντα.

Гераклит питался травами и растениями. Заболев от этого водянкой, он спустился в город и обратился к врачам с вопросом-загадкой: «можно ли из ливня сделать засуху?». Когда они не поняли [ее смысл], он зарылся в коровнике в надежде выпарить [воду] с помощью тепла от навоза. Но не добившись ничего и таким способом, он умер в возрасте шестидесяти лет.

2. D. L. 9.4. Ἑρμιππος δὲ φησι λέγειν αὐτὸν τοῖς ἰατροῖς εἶ τις δύναται ἔντερα κεινώσας ὑγρὸν ἐξεραῖσαι· ἀπειπόντων δέ, θεῖναι αὐτὸν εἰς τὸν ἥλιον καὶ κελεύειν τοὺς παῖδας βολίτοις καταπλάττειν· οὔτω δὴ κατατεινόμενον δευτεραῖον τελευτῆσαι καὶ θαφθῆναι ἐν τῆ ἀγορᾷ. Νεάνθης δ' ὁ Κυζικηνός φησι μὴ δυναθέντα αὐτὸν ἀποσπάσαι τὰ βόλιτα μεῖναι καὶ διὰ τὴν μεταβολὴν ἀγνοηθέντα κυνόβρωτον γενέσθαι.

Гермипп говорит, что он спросил у врачей, может ли кто-нибудь, опорожнив ему внутренности, выгнать воду. Когда те отказались, он лег на солнце и приказал слугам обмазать его навозом. Разлежится таким образом, он умер на следующий день и был похоронен на агоре. А Неанф из Кизика сообщает, что он не смог отодрать навоз, остался лежать и был съеден собаками, не узнавшими его из-за перемены [внешнего вида].

3. Heraclit. Ep. 6. 1. Συνῆλθον οἱ ἰατροί, Ἀμφιδάμα, καὶ πάνυ προθύμως γε ἐπὶ τὴν ἐμὴν νοῦσον. <...> ἀλλ' οὐκ ἐπέτρεψα, ἀλλὰ λόγον αὐτοὺς πρότερον ἦτουν τῆς νόσου, καὶ οὐκ ἔδοσαν. <...> «...ἐμαυτὸν ἰάσομαι, ἢ ὑμεῖς, ἐάν με διδάξητε πῶς ἐξ **ἐπομβρίας ἀύχμὸν ποιητέον**.» οἱ δὲ οὐδὲ συνέντες τὸ ἐρώτημα ἡσύχασαν ἀπορούμενοι ἐπιστήμης ἰδίας.

Сошлись врачи, Амфидамант, на мою болезнь, причем с величайшей охотой. Но я не позволил, и потребовал, чтобы они сначала назвали причину болезни, а они не смогли.

«Я вылечу себя сам или вы, если научите меня, как можно из ливня сделать засуху». Но они даже не поняли вопроса и умолкли, сбитые с толку в их же собственной науке.

4. Heraclit. Ep. 6. 3. [οἱ ἰατροί] οὐκ ἐδυνήθησαν ἐμῆς νόσου λόγον εἰπεῖν, οὐδὲ ἐξ **ἐπομβρίας πῶς ἂν ἀύχμὸς γένοιτο**.

Врачи не смогли назвать причину моей болезни, и даже [не смогли сказать], как из ливня сделать засуху.

5. Plut. De tuenda sanitate (122b–137e) Ἡράκλειτος μὲν γὰρ ὑδρωπιάσας ἐκέλευσεν “ἀύχμὸν ἐξ ἐπομβρίας” ποιῆσαι τὸν ἰατρόν·

6. Marc. Ant. 3.3 Ἡράκλειτος περὶ τῆς τοῦ κόσμου ἐκπυρώσεως τοσαῦτα φυσιολογήσας, ὕδατος τὰ ἐντὸς πληρωθεῖς, βολβίτῳ κατακεχρισμένος ἀπέθανεν.

У Гераклита, столько рассуждавшего о мировом пожаре, внутренности наполнились водою, и, вымазавшись навозом, он умер.

6. Philostr. Vit. A. 1.9.20 ταυτὶ μὲν σαφέστερα, οἶμαι, τῆς Ἡρακλείτου σοφίας ἐχρησμάδει· ὁ μὲν γὰρ δεῖσθαι ἔφη τοῦ ποιήσοντος ἐξ ἐπομβρίας αὐχμὸν, ἐσελθόντος αὐτὸν τουτουὶ τοῦ πάθους (scil. τοῦ ὑδέρου – водянка), οὐκ εὐξύνετ' αὖτε λέγων, οὐδὲ δῆλα...

II.

1. Lassalle, Ferdinand. Die Philosophie Herakleitos des Dunklen von Ephesos. Bd. 1. P. 42-43. N. 1: «Denn nur so glaube ich, kann die Entstehung jener auf den ersten Blick ganz befremdlichen und fast stupiden Fabeln erklärt werden, die über seinen Tod im Umlauf sind.

Dass diese Berichte nur Fabeln sind, das versteht sich von selbst. Allein es handelt sich darum, den Inneren Entstehungsgrund und damit zugleich die geistige Bedeutung solcher nie ganz sinnlosen Fabeln aufzufinden. In dieser Hinsicht verhält es sich nun wohl mit unseren Berichten nicht anders, als mit den vielen andern schönen Mythen, in welchen das Altertum den Geistigen Charakter seiner Männer in der Todesart, die es ihnen andichtet, sinnreich und sinnbildlich wiedergibt.

Wie Anakreon an einer Weinbeere erstickt, Sophocles vor Lachen stirbt <...> so wird den hier auch dem Heraklit eine für ihn eben so charakteristische Todesart zugetheilt.

<...>

Auch im Einzelnen lehnten sich diese Erzählungen an Philosopheme des Heraklit an und wurden durch manche der selben nahe genug gelegt. So scheint es unbestreitbar zu sein, dass Heraklit gelehrt hat, dieselben Umwandlungsprozesse, wie im Weltall gingen auch im menschlichen Körper vor. Von seinen Schülern wenigstens beweist dies unwiderleglich die Stelle des Aristoteles, Problem. XIII, 6 ὥσπερ τινὲς τῶν ἡρακλειτιζόντων φασὶν ὅτι ἀναθυμιάται, ὥσπερ ἐν τῷ ὄλῳ, καὶ ἐν τῷ σώματι. Und in der That war dieser Satz seiner Philosophie auch ganz angemessen, ja fast notwendig in ihr.

Auch die Ausdrücke ἐπομβρία und αὐχμός, Überschwemmung und Dürre, scheinen echt Heraklitisch und von ihm so als stereotype sich in einander umwandelnde Gegensätze in seiner Lehre von der Verwandlung der Elemente gebraucht worden zu sein».

2. Heraclit. 126 DK ψυχρὰ θέρεται, θερμὸν ψύχεται, ὑγρὸν αὐαίνεται, καρφαλέον νοτίζεται.

3. Heraclit. Ep. 5 ἐγὼ εἰ οἶδα κόσμου φύσιν, οἶδα καὶ ἀνθρώπου, οἶδα νόσους, οἶδα ὑγίειαν. ἰάσομαι ἑμαυτόν, μιμήσομαι θεόν, ὃς κόσμου ἀμετρίας ἐπανισοῖ ἡλίῳ ἐπιτάπτων. <...> οὐχ ἀλώσεται νόσῳ Ἡράκλειτος, νόσος Ἡρακλείτου ἀλώσεται γνώμη. καὶ ἐν τῷ παντὶ ὑγρὰ αὐαίνεται, θερμὰ ψύχεται. οἶδεν ἐμὴ σοφίη ὁδοὺς φύσεως, οἶδε καὶ νόσου παῦλαν.

Если я знаю природу космоса, то знаю и природу человека: знаю, что есть болезнь, и что – здоровье. Я буду сам себя лечить, подражая богу, который выравнивает чрезмерности в космосе, управляя [им] через солнце.

Гераклит не будет стражен болезнью, болезнь будет стражена разумом Гераклита. И в космосе сухое увлажняется, а горячее охлаждается. Знает моя мудрость пути природы и знает, как прекратить болезнь.

III.

1. Heraclit. Ep. 6 [οἱ ἰατροὶ οὐκ ἴσασιν ὅτι] **θεὸς ἐν κόσμῳ μεγάλα σώματα ἰατρῆυει**. <...> τὰ θρυπτόμενα ἐνοποιεῖ <...> συνάγει τὰ σκιδνάμενα <...> τὸ ξηρὸν εἰς ὑγρὸν τήκει καὶ εἰς λύσιν αὐτὸ καθίστησι, καὶ λιβάδας μὲν ἐκθυμιᾷ, παχύνει δὲ χαλασθέντα τὸν ἀέρα, καὶ συνεχῶς τὰ μὲν ἄνωθεν διώκει, τὰ δὲ κάτωθεν ἰδρύει. <...> ταῦτα κάμνοντος κόσμου θεραπεία. **τοῦτον ἐγὼ μιμήσομαι¹ ἐν ἑμαυτῷ**, τοῖς δ' ἄλλοις χαίρειν λέγω.

[Врачи не знают, что] бог в космосе излечивает великие тела. <...> Соединяет раздробленное, <...> собирает рассеянное. <...> Влажное испаряет, сгущает разреженный воздух, и постоянно одно гонит вверх, другое помещает снизу. <...> таково лечение больного космоса. Именно ему [космосу] я буду подражать в себе самом. Все остальные – пусть убираются!

2. Hp. Vict. 1. 15. Σκυτέες τὰ ὅλα καὶ τὰ μέρη διαιρέουσι, καὶ τὰ μέρη ὅλα ποιέουσι, τάμνοντες δὲ καὶ κεντέοντες τὰ σαθρὰ ὑγίεια ποιέουσιν. Καὶ ἄνθρωπος δὲ τωὐτὸ πάσχει· ἐκ τῶν ὅλων μέρη διαιρεῖται, καὶ ἐκ τῶν μερέων συντιθεμένων ὅλα γίνεται· κεντεόμενοι τε καὶ τεμνόμενοι τὰ σαθρὰ ὑπὸ τῶν ἰητρῶν ὑγιαίνονται· **καὶ τότε ἰητρικῆς** τὸ λυπέον ἀπαλλάσσειν, καὶ ὑφ' οὗ πονεῖ ἀφαιρέοντα ὑγίεια ποιεῖν. Ἡ φύσις αὐτομάτη ταῦτα ἐπίσταται· καθήμενος πονεῖ ἀναστῆναι, κινούμενος πονεῖ ἀναπαύσασθαι, **καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἔχει ἢ φύσις ἰητρικῆς**.

καθήμενος πονεῖ MSS, *Littre*; sedens nisi surrexerit fatigatur, et agitatus nisi requieverit dolet P;
καθήμενον ποιεῖ Joly

Сапожники разделяют целое на части, и из частей делают целое. Прокалывая и разрезая, слабое делают крепким. То же претерпевает и человек: целое разделяется на части, а из частей образуется целое. Прокалывая и разрезая, врачи излечивают то, что болеет. Таково врачебное искусство: избавлять от того, что причиняет боль, устраняя причину боли. Природа умеет это делать сама: тот, кто сидит, стремится встать, тот, кто движется, – остановиться. Природа обладает и другими подобными свойствами медицины

3.

Vict.	Ep.
θεὸς ἐν κόσμῳ μεγάλα σώματα ἰατρῆυει	καὶ ἄλλα τοιαῦτα ἔχει ἢ φύσις ἰητρικῆς
ἐπανισοῖ αὐτῶν τὸ ἄμετρον, τὰ θρυπτόμενα ἐνοποιεῖ, τὰ ὀλισθήσαντα ὑποφθὰς πιέζει, συνάγει τὰ σκιδνάμενα	καθήμενος πονεῖ ἀναστῆναι, κινούμενος πονεῖ ἀναπαύσασθαι
Οἱ δὲ ἄνθρωποι <...> τέχνησι γὰρ χρεόμενοι ὁμοίησιν ἀνθρωπίνῃ φύσει	μιμήσομαι θεόν, ὃς κόσμου ἀμετρίας ἐπανισοῖ
1. 17. 1. (Οἰκοδόμοι ἐκ διαφόρων σύμφορον ἐργάζονται,) τὰ μὲν ξηρὰ ὑγραίνοντες, τὰ δὲ ὑγρὰ ξηραίνοντες 1. 17. 4 τὰ μὲν ξηρὰ ὑγραίνοντες, τὰ δὲ ὑγρὰ ξηραίνοντες 1. 21 τὰ ξηρὰ ὑγραίνων καὶ τὰ ὑγρὰ ξηραίνων. 1. 22 ἐξ ὑγρῶν ξηρὰ ποιέοντες καὶ ἐκ τῶν ξηρῶν ὑγρά.	[θεὸς] τὸ ξηρὸν εἰς ὑγρὸν τήκει πῶς ἐξ ἐπομβρίας ἀρχμὸν ποιητέον

¹ Cp. Ps.-Heraclit. Ep. 5 ἴσασμαι ἑμαυτόν, **μιμήσομαι** θεόν, ὃς κόσμου ἀμετρίας ἐπανισοῖ ἠλίφ ἐπιτάττων.